भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1203

जिसका उत्तर सोमवार, 8 दिसम्बर, 2025/17 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया गया

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का वित्तीय प्रदर्शन

1203. श्री विजय बघेल:
श्री नलिन सोरेन:
श्री प्रभुभाई नागरभाई वसावा:
श्री विजय कुमार दूबे:
श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़:
श्रीमती हिमाद्री सिंह:
श्री जनार्दन मिश्रा:
श्री शिवमंगल सिंह तोमर:
श्री ज्योतिर्मय सिंह महतो:
श्री आलोक शर्मा:
श्री अनिल फिरोजिया:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के वित्तीय निष्पादन की समीक्षा की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) वित्तीय वर्ष 2014-15 की तुलना में, शुद्ध ब्याज अंतर, परिसंपत्तियों पर प्रतिफल और शेयरधारिता पर प्रतिफल जैसे प्रासंगिक संकेतकों के आधार पर हाल के वर्षों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का निष्पादन कैसा रहा है;

(घ) क्या सरकार ने बैंकों द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड, स्टैंड-अप इंडिया और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना जैसी सरकारी योजनाओं के लक्ष्यों को प्राप्त करने में की गई प्रगति की भी समीक्षा की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) विगत वित्तीय वर्ष के दौरान सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा कुल कितना शुद्ध लाभ अर्जित किया गया?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) से (ड.): बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970 और 1980 और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 के अनुसार, बैंक के कार्य और कारोबार का सामान्य अधीक्षण, निदेशन और प्रबंधन इसके बोर्ड में निहित है। इसके अलावा, सरकारी क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के शीर्ष प्रबंधन के साथ समय-समय पर नियमित बैठकें आयोजित की जाती हैं ताकि सरकार द्वारा शुरू किए गए विभिन्न सुधार एजेंडों और फ्लैगशिप वित्तीय समावेशन योजनाओं के अंतर्गत हुई प्रगति पर चर्चा की जा सके, जिसमें पीएम स्वनिधि, किसान क्रेडिट कार्ड, स्टैंड अप

इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, इत्यादि शामिल हैं। चुनिंदा वित्तीय मानदंडों जैसे निवल लाभ, निवल ब्याज मार्जिन, आस्तियों पर प्रतिलाभ और इक्विटी प्रतिलाभ पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कार्यनिष्पादन को **अनुबंध** में दर्शाया गया है।

दिनांक 30.9.2025 की स्थिति के अनुसार, बैंकों के पास 10.39 लाख करोड़ रुपये की बकाया राशि के साथ कुल 7.81 करोड़ केसीसी हैं, जिनमें से पीएसबी के पास 4.19 लाख करोड़ रुपये की बकाया राशि के साथ कुल 2.22 करोड़ केसीसी हैं। स्टैंड-अप इंडिया योजना के अंतर्गत, बैंकों ने 62,791 करोड़ रुपये की राशि के 2.75 लाख ऋण स्वीकृत किए हैं, जिनमें से पीएसबी ने 51,191 करोड़ रुपये की राशि के 2.28 लाख ऋण स्वीकृत किए हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत, बैंकों ने चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान अक्टूबर, 2025 तक 2.54 लाख करोड़ रुपये का वितरण किया है, जिसमें से पीएसबी ने 1.03 लाख करोड़ रुपये संवितरित किए हैं।

*****

अनुबंध

"सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का वित्तीय कार्यनिष्पादन" के संबंध में दिनांक 8.12.2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 1203

चुनिंदा वित्तीय मानदंडों के आधार पर पीएसबी का कार्य- निष्पादन

मानदंड	**वित्तीय वर्ष 2014-15**	**वित्तीय वर्ष 2023-24**	**वित्तीय वर्ष 2024-25**
निवल लाभ (करोड़ रुपये)	45,743	1,41,202	1,78,364
निवल ब्याज मार्जिन	2.55%	3.06%	2.91%
आस्तियों का प्रतिलाभ	0.53%	0.95%	1.09%
इक्विटी का प्रतिलाभ	9.08%	14.57%	15.79%

स्रोतः रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया

*****